मूल्यः एक रूपया

कामधेनु स्टील

इस्पात संदेश

Email: kamdhenu@kamdhenuispat.com, Website: www.kamdhenuispat.com, www.colourdreamz.com

www.facebook.com/kamdhenuispatlimited

आई एस ओ 9001–2000 सम्मानित कंपनी कामधेनु इस्पात लिमिटेड की गृह पत्रिका, वर्ष–14, अंक–2, फरवरी 2014

किसी भी तरह की व्यापारिक जानकारी हेतु टोल फ्री कामधेनु हेल्प लाइन – 1800 1800 545

मुश्किल दौर में बड़ी कामयाबी

नए साल का जश्न बीत चुका है। ठंड ने विदाई की घोषणा कर दी है और नई ऊष्मा फैल चुकी है। चिलचिलाती धूप हमारे शरीर को झुलसाने का प्रयास करेगी पर शिखर को पाने का हमारा ज़ज़्बा, दूसरी संस्थाओं के लिय मानदंड बनाती हमारी सफलता एवं औरों को पीछे आने को आमंत्रित करती हमारी गति को कुम्हला नहीं सकेगी। हम अपने ही कीर्तिमानों को ध्वस्त करेंगे और पुरानी उपलब्धियों से काफी आगे निकल जायेंगे। ऐसा हमें एक मज़बूत टीम की तरह मिलकर करना होगा। उत्कृष्टा की आकांक्षा को कोई रोक नहीं सकता है और मेरा यकीन है कि आप में यह आकांक्षा, यह चाहत मौजूद है। मै जरूर कहना चाहूँगा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आप हमारे साथ हैं और यह मेरा अटूट विश्वास है कि आने वाले समय में यह साथ और भी मज़बूत होता जायेगा।

हमें मज़बूत साथ की जरूरत क्यों है? कहा जाता है मुश्किल परिस्थितियों में ही इंसान की परख होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो कठिन हालात में मज़बूत और धैर्यवान आदमी चुनौती का सामाना करने के लिये पूरी ताकत लगा देता है। और यही वर्तमान परिस्थिति की पुकार भी है। केन्द्रीय सांख्यिकी संस्थान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्तवर्ष में 4.9% की दर से बढ़ रही है, पिछले वित्तवर्ष में यह दर 4.5% की थी। यह स्थिति निकट भविष्य में निश्चित तौर पर बेहतर होती नहीं दिख रही है, क्योंकि इस साल चुनाव होने हैं और नई सरकार में अगर स्थायित्व रहा तो भी उसे जमने में और अपने विकास कार्यक्रम शुरू करने में कुछ समय लग जायेगा। इस दौरान पश्चिमी अस्थिरता को भी नकारा नहीं जा सकता है और जैसा कि हम पहले भी देख चुके हैं, इसका प्रभाव भारत के विकास की रफ्तार पर भी असर डाल सकता है। इसलिये समय की माँग यही है कि हम अपने को बेहतर तौर पर तैयार करें और अपने प्रयासों को सुधारने की कोई भी गुँजाइश न छोड़ें।

चालू वित्तवर्ष में इस्पात उद्योग की बढ़त काफी धीमी रही है। इस्पात मंत्रालय की एक ईकाई, ज्वाइंट प्लांट कमिटी के मुताबिक अप्रैल से दिसंबर के दौरान यह वृद्धि 0.5% की रही है। संभावना है कि इसी वित्तवर्ष में यह वृद्धि नकारात्मक हो सकती है। जब निर्माण उद्योग ही बुरे हालात में है तो निर्माण सामग्री उद्योग पर इसका असर दिखना लाज़िमी है। पर आपको यह जान कर खुशी होगी कि इन परिस्थितियों में भी तिसरी तिमाही के दौरान हमारे नेट सेल्स में पिछले वर्ष की तुलना में 82% की ज़बरदस्त वृद्धि हुई है। मँहगे कच्चे माल की वजह से पूरी तिमाही के दौरान लाभांश पर पडने वाले बोझ के बावजूद हमारा कुल लाभ 33% बढ़ा है। यह एक ऐसी उपलब्धि है जो सिर्फ कड़ी मेहनत, गंभीर प्रयास और पक्के इरादे से पायी जा सकती है और हमने इस बार भी अपनी क्षमता साबित की है।

आमतौर पर निर्माण कार्य आखिरी तिमाही में अपनी पराकाष्ठा पर होता है, और हम चालू वित्तवर्ष के आखिरी महीने के करीब हैं ओर ऐसा होता हुआ देख सकते हैं। इस्पात की माँग पिछले महीनों की तुलना में बेहतर हुई है और अगर हम अपनी पूरी क्षमता से प्रयास करें तो इसका लाभ पा सकते हैं। अगर हम ऐसा करने में असफल होते हैं तो यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा और इसके दोषी हम ही होंगे। मैं नहीं सोचता कि हममें से कोई भी यह अवसर गँवाना चाहेगा।

इसी प्रकार पेंट उद्योग भी कुछ समय से अपनी चमक खो रहा है। पिछले कुछ सालों से आर्थिक मंदी के कारण यह उद्योग मंदी की चपेट में है। कच्चे माल की कीमत बढ़ने के कारण लाभांश कम होता जा रहा है। चुनौतीपूर्ण और अनिश्चितता से भरे आर्थिक हालात में भी पेंट डीविजन की आमदनी में स्थिरता बनी हुई है। बाज़ार की मंदी से उबरने के लिये हमें और अधिक जोर लगाने की आवश्यकता है। इसमें कोई शक नहीं कि बाज़ार में हमारे उत्पादों के लिये अनकही माँग बनी हुई है और आने वाले दिनों में मंदी का असर कम होते ही हम पेंट द्वारा अच्छी आमदनी पाने लगेंगे।

जैसा कि सब जानते हैं, हम अपने उपभोक्ताओं को वाज़िब कीमत पर बेहतरीन उत्पाद उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्ध हैं। लगातार प्रयासों के जरिये हम अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करते रहे हैं। हमारा वादा है कि हम कभी भी इस बात पर समझौता नहीं करेंगे। जरूरत है सिर्फ अपने प्रयासों की गति बनाये रखने की और जब भी संभव हो उसे और अधिक रफ्तार देने की। सब अच्छा होता चला जायेगा !

15वीं लोकसभा का सत्र समाप्त

विपक्ष और सरकार के बीच लगातार टकराव की गवाह रही 15 वीं लोकसभा का आखिरी सत्र समाप्त होने के साथ ही चुनाव की आहट स्पष्ट रूप से सुनाई देने लगी है। लोकसभा का सत्र खत्म होने के साथ ही सभी राजनीतिक दल आम चुनाव की तैयारी में लग गये हैं। आम चुनाव, जिसमें लोकतंत्र में आस्था रखने वाली करोड़ो जनता अपने मतों द्वारा नई लोकसभा का चयन करेगी। ऐसे में 15 वीं लोकसभा के कार्यकाल की एक समीक्षा महत्वपूर्ण है।

निसंदेह इस लोकसभा ने 4 दशकों से लटके हुये लोकपाल विधेयक को मंजूरी देते हुये प्रधानमंत्री को इसकी जॉच दायरे में रखने का साहसिक फैसला लिया। साथ ही इस लोकसभा के सिर महिलाओं के विरूद्ध यौन हिंसा पर सबसे सख्त कानून बनाने के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा कानून व भूमि अधिग्रहण कानून पारित करने का सेहरा भी बँधा है। पर साथ ही कई ऐसी घटनायें भी 15 वीं लोकसभा के दौरान संदनभवन में घटी जिससे सदन की छवि को चोट पहुँची है। हालिया घटित तेलंगाना विधेयक पर चर्चा के दौरान सांसदों के बीच तीखी तक्रार और मिर्च–स्प्रे की घटना संसदीय इतिहास में एक ऐसा ही काला धब्बा है।

अगर आम प्रदर्शन को देखें तो 15 वीं लोकसभा के दौरान 167 विधेयक पास हुये और कुल 124 विधेयक अटके रह गये। सदन का बहुत सारा समय 2 जी स्पेक्ट्रम, राष्ट्रमंडल खेल और कोयला खदान आवंटन से जुड़े घोटालों पर कैग की रिपोर्ट पर विपक्ष और सरकार के बीच टकराव में नष्ट होता रहा। जिस सदन पर देश की नियति और नीति को दिशा देने की जवाबदेही है उसके द्वारा संसदीय समय के इस प्रकार दुरूपयोग देशवासियों के लिये दुखद है।

संसद में लेखानुदान पेश

आम चुनाव के मद्देनज़र इस फरवरी माह सरकार ने अपना अंतरिम बजट यानि लेखानुदान पेश किया, ताकि नये सरकार द्वारा बजट पेश करने तक के लिये आर्थिक प्रावधानों को स्वीकृति मिल सके। लेखानुदान पर चुनावों का असर स्पष्ट रहा और अनेक लोकलुभावन प्रस्ताव वित्तमंत्री द्वारा पेश किये गए।

एक ओर जहाँ छात्रों कों एडुकेशन लोन पर ब्याज में राहत मिली, वहीं सेना तथा अर्धसैनिक बल से सेवानिवृतों के लिये 'एक रैंक, एक पेंशन' का प्रावधान हुआ। मंदी की मार झेल रहे ऑटो–उद्योग के लिये श्री चिदंबरम ने कारों व दुपहिया वाहनों पर एक्साइज ड्यूटी घटाने का राहत भरा ऐलान किया।

जहाँ सरकार ने इस बजट की तारीफ की वहीं विपक्ष ने इसे निराशाजनक बताते हुये कहा कि इसमें किसानों को कोई लाभ नहीं दिया गया है न ही तेल, दाल या चीनी जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमत कम करने का प्रयास ही किया गया है। चालू वित्त–वर्ष में विकास दर की 5 प्रतिशत से भी नीचे लुढ़क आई सुस्त रफ्तार के लिये वैश्विक हालात को दोष देते हुये बजट पेश करते हुये वित्तमंत्री ने अपनी सरकार की पीठ थपथपा ली। पर मंहगाई और मंदी की चपेट में पड़ा देश उनसे जो उम्मीदें लगाये था उसे पूरा करने में वह सफल नहीं हो सके।

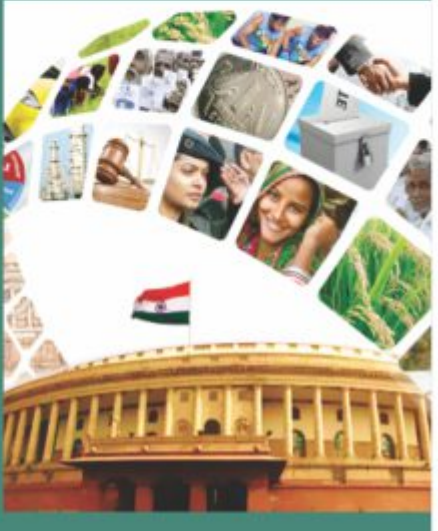

व्हिसल ब्लोअर बिल को मंजूरी

संसद में वर्तमान सरकार के कार्यकाल के आखिरी दिन व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन बिल राज्यसभा में पारित हो गया। लोकसभा से पहले से ही पारित हो चुका यह बिल एक संसोधन की वजह से राज्यसभा में करीब दो सालों से अटका पड़ा था। अब इस विधेयक के कानून बनने से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे कार्यकर्ताओं को सुरक्षा दी जा सकेगी।

व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन बिल में सीधे तौर पर कहा गया है कि जो आदमी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठायेगा उसकी पहचान गुप्त रखी जायेगी। साथ ही इस विधेयक के लागू होने से देश में पहला ऐसा कानून बनेगा जिसके तहत पर्दाफाश करने वालों की हिफाजत की जायेगी और उन्हें पुलिस संरक्षण की गारंटी मिलेगी।

भ्रष्टाचार से लड़ने वालों सुरक्षा देने के अतिरिक्त इस बिल के प्रावधानों से केन्द्रीय सतर्कता आयोग को भ्रष्टाचार में शामिल सरकारी अधिकारियों के खिलाफ जॉच और मुकदमा चलाने में भी मदद मिलेगी।

जयपुर में KAMDHENU SS 10000 का जलवा

निर्माण सेक्टर में भारत की अग्रणी कंपनियों में शामिल कामधेनु इस्पात लिमिटेड के उत्पाद उपभोक्ताओं के लिये गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक हैं। कंपनी का नवीनतम प्रीमियम उत्पाद **KAMDHENU SS 10000** आज भारत में अपनी तरह का एकमात्र उत्पाद है जिसमें है डबल रिब्स, डबल मजबूती और जो देती है डबल सुरक्षा।

बेहतरीन **KAMDHENU SS 10000** में अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर आधारित नवीनतम ब्रिटेन आधारित तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। ब्रिटेन की नाइट्सब्रिज रिसोर्सेस लिमिटेड से प्राप्त तकनीक से उच्च गुणवत्ता वाले प्राइम बिलेट्स द्वारा निर्मित **KAMDHENU SS 10000** की मजबूती की परख भारत की एक बड़ी इंजीनियरिंग संस्था आई आई टी रूड़की ने भी की है। आई आई टी रूड़की द्वारा किये गये प्रयोगों में पाया गया कि **KAMDHENU SS 10000** कंकीट को साधारण सरियों के मुकाबले 254 प्रतिशत अधिक मजबूत पकड़ देने में सक्षम है।

जबरदस्त मजबूती होने के साथ ही **KAMDHENU SS 10000** में अनोखा सिस्मिक डिजायन है जिसके कारण इसमें भूकंप से मुकाबला करने की जबर्दस्त ताकत है। सुरक्षित निर्माण की गारंटी **KAMDHENU SS 10000** को बढ़ावा देने के लिए 12 फरवरी को जयपुर में डीलर्स मीट का आयोजन किया।

जयपुर के गोल्डन पैलेस रिसोर्ट में आयोजित इस बैठक में कामधेनु इस्पात लि0 के सी एम डी श्री सतीश अग्रवाल तथा निदेशक श्री सचिन अग्रवाल ने **KAMDHENU SS 10000** को राजस्थान में लॉच किया। कार्यक्रम में सीनियर जी एम श्री दिलीप मेहरा और सीनियर जी एम (मार्केटिंग) श्री राजीव शर्मा सहित कई अधिकारी शामिल हुये। डिस्ट्रीब्यूटर श्री राजीव गर्ग के अलावा दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के 250 डीलर और कामधेनु के स्थानीय अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद थे। इस प्रीमियम उत्पाद के बारे में जानकारी देते हुये कामधेनु इस्पात लिमिटेड के सी एम डी श्री सतीश अग्रवाल ने बताया कि **KAMDHENU SS 10000** का निर्माण राज्य के भिवाड़ी स्थित प्लांट में हो रहा है। **KAMDHENU SS 10000** की उच्चतम निर्माण तकनीक के बारे में बताते हुये उनहोने कहा, "**KAMDHENU SS 10000** की कंकीट के साथ पकड़ की मजबूती आम सरियों के मुकाबले ढ़ाई गुणा ज़्यादा है।"

बैठक में उपस्थित डीलरों को संबोधित करते हुये कंपनी के सीनियर जी एम श्री दिलीप मेहरा ने **KAMDHENU SS 10000** की पीपीटी प्रस्तुत की एवं इसकी विशेषताओं के बारे में डीलरों को विस्तार से जानकारी दी। डीलरों के साथ बातचीत में कामधेनु के वरिष्ठ अधिकारियों ने बाज़ार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए डीलरों को सभी सहायता मुहैया कराने का भरोसा दिया।

RNI. No.: DELHIN/2000/4124, Postal Regn. No. DL (E)-01/5006/2012-14
Production Date: 26.02.2014

कामधेनु पेंट डीलरों की सिंगापुर ट्रिप

देश में सजावटी पेंट सेग्मेंट की बड़ी कंपनियों में शुमार कामधेनु पेंट भारतीय उपभोक्ताओं की पसंदीदा ब्राण्ड बन चुका है। उच्च गुणवत्ता के उत्पादों की बड़ी श्रृंखला पेश करते हुये कामधेनु पेंट ने हर तबक़े के उपभोक्ताओं की जरूरत और पसंद को ध्यान में रखा है और आज यह देश की सबसे तेज़ी से बढ़ रही पेंट कंपनी बन गई है।

वर्तमान में कामधेनु पेंट के साथ जुड़ा है 4000 डीलरों का देशव्यापी मज़बूत नेटवर्क जिन्हें कंपनी अपने सिद्धांतों के अनुसार हमेशा से विकास के लिये महत्वपूर्ण सहयोगी मानती है। डीलरों के प्रयासों की सराहना कर पुरस्कृत करने के उद्देश्य से कंपनी नियमित रूप से अच्छा प्रदर्शन करने वाले डीलरों के लिये प्रोत्साहन योजना लेकर आती है। इस तरह के प्रोत्साहन डीलरों को प्रेरित कर कंपनी के बाज़ार नेटवर्क में नई ऊर्जा भरने का काम करते हैं।

हाल ही में 11 से 17 फरवरी के बीच कामधेनु पेंट ने उत्तराखण्ड के डीलरों के लिये सिंगापूर की 6 दिनों की सैर का आयोजन किया। कंपनी के डीलर मेसर्स धनीप्रेम बिल्डर्स, मेसर्स छाबड़ा हार्डवेयर, मेसर्स शुभम ट्रेडर्स, मेसर्स आर के पेंट्स, मेसर्स पांडे हार्डवेयर, मेसर्स धर्मनन्द एण्ड सन्स और मेसर्स चुन्नीलाल देवराज के मालिकों को इस ट्रिप में शामिल होने का मौक़ा मिला। कंपनी के हल्द्वानी ब्रांच हेड श्री मयंक कुमार मांगलिक भी इस ट्रिप में डीलरों के साथ थे।

सिंगापुर पहुँचने के पहले दिन टीम ने दिन में सिंगापुर शहर की सैर की। सिंगापुर की नज़ारा करते हुये सबने स्विसॉटल, पार्लियामेंट हाउस, सिटी हॉल देखा और माउंट फैबर जाकर शहर और बंदरगाह को ऊँचाई से देखने का लुफ्त उठाया। रात को सब नाइट सफारी के लिये निशाचर जन्तु उद्यान में गये जो कि दुनिया का ऐसा पहला सफारी पार्क है जहाँ 2500 के करीब निशाचर जानवरों का प्राकृतिक बसेरा है।

दूसरे दिन टीम स्टार क्रूज विरगो में सवार होकर दो रातों के लिये लिये समुंदर के शानदार सफर पर निकल पड़ी। क्रूज पर बेहतरीन पल बीता कर सब चौथे दिन वापस सिंगापुर शहर पहुँचे। पाचवें दिन सभी लोग सेन्टोसा द्वीप की सैर पर निकले। जंगल के ऊपर से केबल–कार में बैठ कर सेन्टोसा द्वीप जाना सबके लिये एक मजेदार अनुभव था। सेन्टोसा द्वीप पर सैर करते हुये सभी ने अंडरवाटर वर्ल्ड और डाल्फिन लैगून देखा। शाम को यहाँ सबने "सॉग्स ऑफ द सी" के नाम से मशहूर वाटर शो का आनंद उठाया। ट्रिप के आखिरी दिन टीम ने यूनिवर्सल स्टूडियो थीम पार्क की सैर की।

सिंगापुर से लौटते हुये टीम के साथ था जिंदगी भर ना भूलने वाली यादों का खज़ाना और एक इरादा। अधिक मेहनत कर और भी बड़ी सफलतायें और बड़ी खुशियाँ हासिल करने का मज़बूत इरादा।

बेस्ट सपोर्टिंग डीलर ऑफ द मंथ

श्री राजेश महलौत्रा
मैसर्स श्री चामुण्डा माता स्टील एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल कम्पनी
वी.पी.ओ. दारी, धर्मशाला
हिमाचल प्रदेश
मो. – 09418010501

श्री वाचस्पति शर्मा
मैसर्स शर्मा सीमेंट स्टोर
रिआसी
जम्मु एण्ड कश्मीर
मो. – 09419164397

मैसर्स कृष्णा स्टील स्टोर
गंगापुर सिटी रोड,
नदोती, जिला – करौली
राजस्थान
मो. – 09610844864, 08875139767

Owned by KIL, L-311, Street No. 7, Mahipalpur Ext., New Delhi - 110037, Ph. 65493417, Published, Printed and Edited by Prashant Kumar, News Communications, 106-Sadbhawana, 13 I.P. Extn., Delhi 110092 and published from News Communications, 106-Sadbhawana, 13 I.P. Extn., Delhi - 110092, Tel: 011- 22726433, Fax: 011-22726450, Email: news1@vsnl.com

Printed at Chandu Press, D-97, Shakarpur, Delhi-110 092